

rediffmail

Welcome to Rediffmail: Inbox

Mailbox of skkataria64

Subject: Taaleem aur Ilm

From: Surendra Kataria <skkataria64@rediffmail.com> on Tue, 07 Apr 2026 11:55:21

To: "info@merealfaaz.com" <info@merealfaaz.com>

1 attachment(s) - Attachment_897937.pdf (649.13KB)

संपादक / निदेशक महोदय,
मेरे अल्फाज़ वेबसाइट
महोदय,

आज किसी परिचित के व्हाट्सप्प स्टेटस पर आपकी एक स्लाइड देखी। तालीम (शिक्षा) और इल्म (ज्ञान) में भेद बताने वाली उन दो पंक्तियों के 16 शब्दों में कुल आठ भाषायी त्रुटियाँ पाई गई हैं (संशोधित स्लाइड देखिये) . इसी तरह आपकी वेबसाइट के मुख्य पृष्ठ पर दिया गया परिचय भी अशुद्धियों से भरपूर है। भारत में जैविक जननी, मातृभूमि , गंगा और गाय के साथ भाषा को भी माँ का दर्जा दिया गया है। महोदय, आजकल के दौर में गूगल वावा के कारण सूचना को ज्ञान मान लिया गया है। इसी क्रम में यह भी बताना प्रासंगिक है कि किसी अन्य की रचना को अपना बता कर प्रस्तुत करने का आपराधिक चलन भी हो गया है। आशा है आप भाषा और साहित्यिक चोरी के प्रति गम्भीरता प्रदर्शित करेंगे।

"भाषा का दुरुपयोग, आत्मा में बुराई को जन्म देता है "....सुकरात

शुभकामनायें।

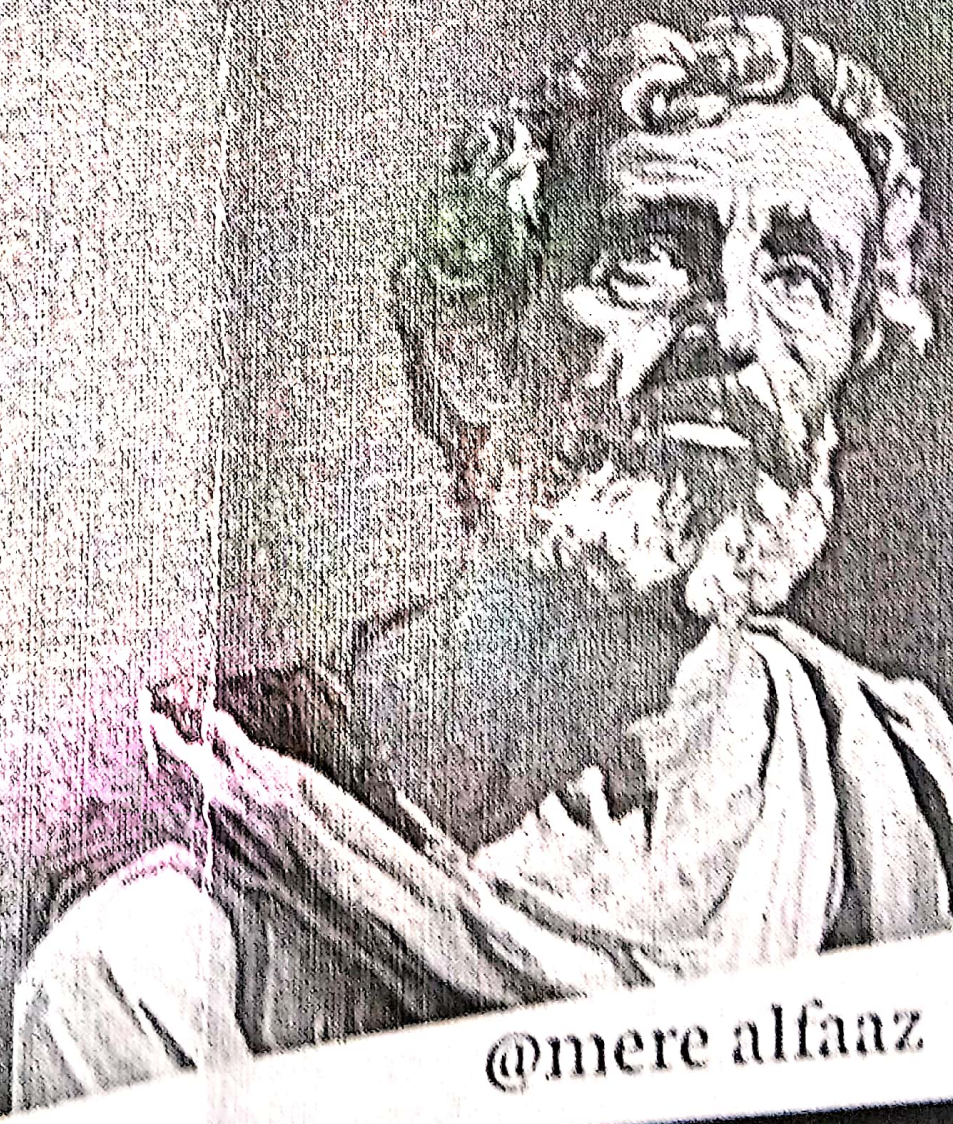
एक शुभेच्छु
सुरेंद्र कटारिया





”

डिग्रीया तो तालीम के खर्चों कि रसीदे हैं
इल्म वो हैं जो क़ीरदार में झलकता है...!



@mere alfaaz